भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 513
दिनांक 06 फरवरी, 2025

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कार्यबल की मांग

†513. श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कुशल कार्यबल की कमी है और यदि हां, तो विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों सहित संगठन और स्थानवार वर्तमान मांग का ब्यौरा क्या है;
(ख) हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कौशल संबंधी इन अंतरों को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;
(ग) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद के अंतर्गत संचालित संस्थानों में संस्थावार कितने लोगों, विशेषकर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया;
(घ) उन पाठ्यक्रमों का संस्थानवार ब्यौरा क्या है जिनके अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया और प्रशिक्षणार्थियों की पाठ्यक्रमवार वर्तमान संख्या कितनी है;
(ड.) इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद, कितने व्यक्तियों को उद्योग भागीदारों द्वारा संस्थानवार नियोजित किया गया है;
(च) हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कौशल विकास पहलों के लिए संस्थान और स्थानवार कितनी-कितनी निधि आवंटित, जारी की गई और उपयोग में लाई गई; और
(छ) क्या एआई, स्वचालन और डिजिटलीकरण जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाने से हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में विशिष्ट कौशलों की मांग प्रभावित हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख) सितंबर, 2022 में हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद् (एचएसएससी) द्वारा देश के तेल और गैस क्षेत्र में कौशल-अंतर का आंकलन किया गया। एचएसएससी की स्थापना वर्ष 2016 में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में की गई थी। मूल्यांकन के निष्कर्षों के आधार पर, एचएसएससी ने चिह्नित अंतराल को पाटने के लिए एक विस्तृत कार्य-योजना तैयार की। इसके एक अंग के रूप में, एचएसएससी ने भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम, रायबरेली, अहमदाबाद, गुवाहाटी और कोच्चि में सार्वजनिक क्षेत्र के तेल और गैस उपक्रमों द्वारा स्थापित छः कौशल विकास संस्थानों (एसडीआईज) के साथ मिलकर और अपने दम पर रिफाइनरियों, पेट्रोरसायन परिसर और अप-स्ट्रीम, मिड-स्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम तेल एवं गैस उप-क्षेत्रों में अन्य

तेल और गैस प्रतिष्ठानों में कुशल कार्यबल की माँग पूरा करने के लिए री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग सहित कई कौशल कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

एसडीआईज के साथ मिलकर एचएसएससी नियमित रूप से इस क्षेत्र में कौशल-अंतराल की समीक्षा कर रहा है और उद्योग की आवश्यकता के आधार पर चल रहे कौशल कार्यक्रमों के दायरे को व्यापक बनाकर इस अंतराल को पाटता है। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ औद्योगिक वेल्डर, औद्योगिक इलेक्ट्रीशियन, पाइप फिटर - नगर गैस वितरण (सीजीडी), प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन ऑपरेटर, तकनीशियन-वेधन और उत्पादन, अग्निशमन और सुरक्षा तकनीशियन आदि जैसे ट्रेडों में कौशल कार्यक्रम प्रदान करना शामिल है। एचएसएससी ने उदीयमान क्षेत्रों में कौशल-अंतराल को पूरा करने के लिए हरित हाइड्रोजन, संपीडित जैव गैस, 2-जी एथेनॉल, इलेक्ट्रिक वाहन (बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग), खुदरा बिक्री केन्द्र रूफटॉप सोलर इंस्टॉलर आदि जैसे ऊर्जा परिवर्तन क्षेत्र में कौशल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण सामग्री भी विकसित की है।

(ग) पिछले पाँच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद् के अन्तर्गत संचालित संस्थानों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संस्थान-वार संख्या निम्नानुसार है:-

संख्या	एसडीआई का नाम	कुल प्रशिक्षित व्यक्ति		कुल प्रशिक्षित महिलाएँ	
		पिछले पाँच वर्षों (वि.व. 2019-20 से वि.व 2023-24) में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	चालू वि.व. 2024-25 (दिसंबर 2024 की स्थिति के अनुसार) में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	पिछले पाँच वर्षों (वि.व. 2019-20 से वि.व 2023-24) में प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	चालू वि.व. 2024-25 (दिसंबर 2024 की स्थिति के अनुसार) में प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या
1	एसडीआई-भुवनेश्वर	3428	943	607	209
2	एसडीआई-विशाखापट्टनम	15375	2315	3428	870
3	एसडीआई-कोच्चि	800	195	71	21
4	एसडीआई-रायबरेली	1655	369	263	115
5	एसडीआई-गुवाहाटी	4033	90	1334	-
6	एसडीआई-अहमदाबाद	3326	1514	431	561
कुल		**28617**	**5426**	**6134**	**1776**

(घ) छः कौशल विकास संस्थान (एसडीआईज) औद्योगिक वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, पाइप फिटर- नगर गैस वितरण, प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन ऑपरेटर, तकनीशियन- वेधन और उत्पादन, अग्निशमन और सुरक्षा तकनीशियन, एलपीजी डिलीवरी कर्मी, खुदरा बिक्री केन्द्र अटेंडेंट आदि जैसे ट्रेडों में कौशल कार्यक्रम प्रदान करते हैं। जिन पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, उनका प्रशिक्षुओं की वर्तमान संख्या सहित संस्थान-वार और पाठ्यक्रम-वार विवरण निम्नानुसार है:-

संख्या	एसडीआई का नाम	पाठ्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षुओं की वर्तमान संख्या
1	एसडीआई- भुवनेश्वर	31 पाठ्यक्रम	974
2	एसडीआई- विशाखापट्टनम	18 पाठ्यक्रम	1071
3	एसडीआई-कोच्चि	4 पाठ्यक्रम	195
4	एसडीआई- रायबरेली	4 पाठ्यक्रम	150
5	एसडीआई- गुवाहाटी	8 पाठ्यक्रम	260
6	एसडीआई- अहमदाबाद	9 पाठ्यक्रम	374

(ङ) इन पाठ्यक्रमों के पूरा होने पर उद्योग भागीदारों द्वारा नियोजित व्यक्तियों की संस्थान-वार संख्या निम्नानुसार है:

संख्या	एसडीआई का नाम	नियोजित व्यक्तियों की संख्या (आरम्भ से)
1	एसडीआई- भुवनेश्वर	3705
2	एसडीआई-विशाखापट्टनम	17215
3	एसडीआई-कोच्चि	894
4	एसडीआई- रायबरेली	2067
5	एसडीआई- गुवाहाटी	3950
6	एसडीआई- अहमदाबाद	4384

(च) एसडीआई का वित्त-पोषण तेल और गैस पीएसयूज द्वारा किया जाता है। हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कौशल विकास पहलों के लिए आवंटित, निर्गत और उपयोग की गई धनराशि की संस्थान-वार और स्थल-वार राशि निम्नानुसार है:

				करोड़ रुपए में
संख्या	एसडीआई का नाम	आवंटित निधि	निर्गत	उपयोग की गई
1	एसडीआई- भुवनेश्वर	30.00	28.50	28.50
2	एसडीआई- विशाखापट्टनम	62.50	61.75	61.75
3	एसडीआई-कोच्चि	30.00	25.75	18.90
4	एसडीआई- रायबरेली	30.00	27.07	26.54
5	एसडीआई- गुवाहाटी	45.00	40.55	38.33
6	एसडीआई- अहमदाबाद	30.00	22.74	22.74

(छ) एचएसएससी द्वारा हाइड्रोकार्बन क्षेत्र के लिए योग्यता पैकों और प्रशिक्षण सामग्रियों में डिजिटलीकरण, एआई और स्वचालन जैसी नई और उन्नत तकनीकों को क्रमिक रूप से शामिल किया गया है। इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने से हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में कौशल आवश्यकताओं में सकारात्मक बदलाव आया है।

****